एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 05 (मई, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

इल्ली कीट की पहचान और प्रबंधन

*रेणुका सिंह एवं डॉ. जागृति उपाध्याय
कृषि विभाग, मंग्लायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: renukasingh691@gmail.com

इल्ली कीटों का प्रबंधन खेती की फसलो में अत्यंत आवश्यक है, क्यों कि ये कीट पत्तियां, तनों और फलों को खाकर फसलों की उपज और गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं। इनका प्रभाव विशेष रूप से धान, मक्का, कपास, सब्जियां और तिलहन फसलों में देखा जाता है। इस लेख में खेत की फसलों में लगने वाले इल्ली कीट की पहचान और प्रबंधनके बारे में चर्चा करेंगे।

इल्ली कीटों की पहचान

सामान्य प्रजातियाँ- स्पोडोप्टेरा,मिथिम्ना, बीटल अर्मीवार्म, बीहार हेयरी कैटरपिलर,कटवर्म।

लक्षण- पषियों का कंकाल बन जाना, तनो का काटा जाना, फलों में छेद, और फसलों का पूर्ण रूप से नष्ट होना।

प्रबंधन

1. सांस्कृतिक उपाय

गहरी जुताई: गर्मीयों में गहरी जुताई से मीट्टी में छुपे हुए लार्वा और प्यूप सतह पर आ जाते हैं, जिससे पक्षी उन्हें खा सकते हैं।

फसल चकण: मेजबान फसलों के स्थान पर अन्य फसलों की बुवाई रकके कीटों का जीवन चक्र बाधित होता है।

बत्खो का उपयोग: धान के खेतों में बत्खो को छोड़ने से वे लार्वा को खा जाते हैं, जिससे कीट की संख्या कम होती है।

पक्षी बैठने के लिए डंडे: खेतो में बांस के डंडे लगाने से पक्षी बैठकर कीटों का शिकार करते हैं।

2. यांत्रिक और भौतिक उपाय

हाथ से संग्रहण: छोटे क्षेत्रों में प्रारंभिक अठस्था के लार् और अंडों को हाथ से इकट्ठा कर नष्ट करना प्रभावी है।

प्रकाश और फेरोमोन ट्रैप्स: प्रकाश और फेरोमोन ट्रैप्स का उपयोग करके वयस्क पतंगो को आकषर्षि कर पकड़ा जा सकता है।

शारीरिक अवरोध: फसलों के चारों ओर जाल या नेट लगाने के पतंगो को अंडे देने से रोका जा सकता है।

3. जैविक नियंत्रण

प्राकृतिक शत्रुओं का संरक्षण: लेडीबग्स, लेषविंग, और परजीवी ततैया जैसे लाभकारी कीटों को आकर्षित करनेके लिए फूलों वाले पौधे लगाना।

***बेसिलस थुरिजिएंसेस* :** यह एक प्राकृतिक बैक्टीररया है जो कैटरपिलर के लिए विषैला होता है, लेकिन अन्य जीवों के लिए सुरक्षित है।

नीम आधारित उत्पाद: नीम तेल या नीम बीज अर्क का छिड़काव प्रारंभिक अवस्था के लार्वा को नियंत्रित करने में सहायक है।

4. रासायनिक नियंत्रण

कीटनाशकों का उपयोग: गंभीर संक्रमण की स्थिति में क्लोरपाइरीफोस, क्विनालफोस, या इमामेक्टिन बेंजोएट जैविक कीटनाशकों का उपयोग किया जा सकता है।

सामुहिक छिड़काव: संक्रमण के प्रारंभिक चरण में समुदायक स्तर पर कीटनाशकों का छिड़काव प्रभावी होता है।

सार

इल्ली कीटों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीति अपनाना आवश्यक है, जिसमें सांस्कृतिक, यांत्रिक, जैविक और रासायनिक उपायों का समावेश हो। नियमित निगरानी और समय पर हस्ताक्षेप फसलों को गंभीर नुकसान से बचाया जा सकता है

लेखक की राय

इल्ली कीटों का प्रबंधन खेत की फसलों में एक जटिल और बहुआयामी चुनौती है। जिसका निदान होना जरूरी है जिसके लिए विभिन्न शोधकर्ताओं और कृषि विशेषज्ञ की राय के अनुसार इन कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीति अपनाना आवश्यक है।

निष्कर्ष

इल्ली कीटों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसमें पारंपरिक और आधुनिक विधियो का समावेश करके एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीति विकसित की जानी चाहिए। इससे न केवल फसलों की उपज और गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्किप पर्यावरण संतुलन भी बना रहेगा।